भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

24.07.2024 के

अतारांकित प्रश्न सं. 460 का उत्तर

महाराष्ट्र के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का मार्ग

460. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) **महाराष्ट्र के लिए प्रस्तावित 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ट्रेनों और मार्गों का ब्यौरा क्या है;**

(ख) **क्या सरकार का महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों को देश के विभिन्न राज्यों से जोड़ने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;**

(ग) **वर्तमान वित्त वर्ष में सरकार द्वारा विशेषकर महाराष्ट्र के पर्यटन स्थलों को शेष राज्यों से जोड़ने के लिए कितनी रेलगाड़ियां शुरू किए जाने का प्रस्ताव है और देश में स्थापित रेल डिब्बा कारखानों का ब्यौरा क्या है तथा उक्त रेल डिब्बा कारखानों की वंदे भारत एक्सप्रेस रेलगाड़ियों की कुल उत्पादन क्षमता कितनी है; और**

(घ) **लक्ष्य को पूरा करने के लिए इन रेल डिब्बा कारखानों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैंकिए/ जाने का विचार है?**

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

महाराष्ट्र के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का मार्ग के संबंध में दिनांक 24.07.2024 को लोक सभा में श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर के अतारांकित प्रश्ने सं. 460 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ) 19 जुलाई, 2024 तक भारतीय रेलवे नेटवर्क पर 102 वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाएं चल रही हैं। इनमें से 16 वंदे भारत सेवाएं महाराष्ट्र राज्य में स्थित स्टेशनों की जरूरतों को पूरा कर रही हैं। इसके अलावा, वंदे भारत एक्सप्रेस सेवाओं सहित नई गाड़ी सेवाएं शुरू करना भारतीय रेल पर एक सतत् प्रक्रिया है जो यातायात के औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि पर निर्भर करता है।
भारतीय रेलवे (आईआर) ने नवंबर-2021 में 'भारत गौरव रेलगाड़ी ' नीति जारी की है, जिसका उद्देश्य भारत गौरव रेलगाड़ियों के माध्यम से भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और शानदार ऐतिहासिक स्थलों को प्रदर्शित करना है। ये थीम आधारित पर्यटक सर्किट रेलगाड़ियां हैं। नीति के तहत, रेलवे मार्ग या परिपथ का प्रस्ताव नहीं करता है; इसके बजाय, सेवा प्रदाताओं को भारत गौरव पर्यटक सर्किट रेलगाड़ियों के संचालन के लिए थीम/यात्रा कार्यक्रम तय करने की पूरी छूट है, जिसमें बाजार की मांग, वाणिज्यिक व्यवहार्यता आदि के आधार पर महाराष्ट्र राज्य सहित भारत के किसी भी हिस्से के पर्यटक सर्किट शामिल हो सकते हैं। देश में स्थापित सवारी डिब्बा कारखानों का ब्यौरा नीचे दिया गया है:

वंदे भारत रेल डिब्बों का निर्माण सवारी डिब्बा कारखाना (आईसीएफ), चेन्नई, तमिलनाडु और रेल डिब्बा कारखाना (आरसीएफ), कपूरथला, पंजाब और आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना (एमसीएफ), रायबरेली, उत्तर प्रदेश में किया जा रहा है।

इसके अलावा, मराठवाड़ा रेल डिब्बा कारखाना, लातूर में प्रौद्योगिकी भागीदार द्वारा वंदे भारत रेल डिब्बों का निर्माण प्रक्रियाधीन है।

भारतीय रेल के कोच कारखानों में प्रति वर्ष लगभग 7500 सवारी डिब्बों का निर्माण करने की क्षमता है जिनमें लिंक हॉफमैन बुश (एलएचबी), वंदे भारत, इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (ईएमयू), मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट (एमईएमयू) आदि शामिल हैं। वार्षिक सवारी डिब्बा उत्पाद मिश्रण का निर्णय यातायात आवश्यकता के अनुसार किया जाता है। उत्पादन इकाइयों में एलएचबी और वंदे भारत सवारी डिब्बों की उत्पादन क्षमता में वृद्धि करने के लिए 3595.31 करोड़ रु की राशि के कार्य स्वीकृत/प्रस्तावित किए गए हैं।

****